श्रेयस योजना

सन्दर्भ: "श्रेयस" योजना में चार केंद्रीय क्षेत्र की उप-योजनाएं शामिल हैं, जिनका उद्देश्य इसके शैक्षिक सशक्तिकरण लक्ष्यों को प्राप्त करना है।

- श्रेयस सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तहत संचालित एक व्यापक योजना है।
- श्रेयस का प्राथमिक उद्देश्य ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में सशक्त बनाना है।
- यह सशक्तिकरण फेलोशिप के प्रावधान के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, जो गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- इसके अतिरिक्त, श्रेयस विदेश में अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए शैक्षिक ऋण पर ब्याज सब्सिडी प्रदान करता है।

उप-योजनाएं

- **अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए नि:शुल्क कोचिंग योजना:**
  - **उद्देश्य:** आर्थिक रूप से वंचित एससी और ओबीसी के लिए उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग प्रदान करना।
  - **आय सीमा:** पारिवारिक आय ≤ 8 लाख प्रति वर्ष होनी चाहिए।
  - **लाभार्थियों की संख्या:** अब तक कुल 109.77 करोड़ रुपये के बजट से 19,995 लाभार्थी लाभान्वित हुए।
  - **समयावधि:** 2014-15 से 2022-23 तक।
- **अनुसूचित जाति के लिए शीर्ष श्रेणी की शिक्षा:**
  - **उद्देश्य:** पूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करके अनुसूचित जाति के छात्रों की शिक्षा का समर्थन करना।
  - **आय सीमा:** पारिवारिक आय ≤ 8 लाख प्रति वर्ष होनी चाहिए।
  - **लाभार्थियों की संख्या:** अब तक कुल 398.43 करोड़ रुपये के बजट से 21,988 लाभार्थी लाभान्वित हुए।
  - **समयावधि:** 2014-15 से 2022-23 तक।
- **अनुसूचित जाति के लिए राष्ट्रीय प्रवासी योजना:**
  - **उद्देश्य:** विदेश में मास्टर और पीएचडी करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।
  - **आय सीमा:** पारिवारिक आय ≤ 8 लाख प्रति वर्ष होनी चाहिए।
  - **लाभार्थियों की संख्या:** कुल 197.14 करोड़ रुपये के बजट से 950 लाभार्थी लाभान्वित हुए।
  - **समयावधि:** 2014-15 से 2022-23 तक।
- **अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप योजना :**
  - **उद्देश्य:** विभिन्न क्षेत्रों में डिग्री/एमफिल/पीएचडी करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए फेलोशिप प्रदान करना।
  - **आय सीमा:** कोई आय सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई थी।
  - **लाभार्थियों की संख्या:** अब तक कोई विशिष्ट लाभार्थी संख्याएँ प्रदान नहीं की गईं।
  - **कुल बजट आवंटन:** इसके लिए कोई विशिष्ट बजट आवंटन का उल्लेख नहीं किया गया था।
  - **कवर की गई अवधि:** इसके लिए कोई विशिष्ट समय सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई थी।

महत्वपूर्ण खनिज और स्वच्छ ऊर्जा शिखर सम्मेलन

सन्दर्भ: 28 सितंबर, 2023 को पेरिस में आयोजित IEA क्रिटिकल मिनरल्स एंड क्लीन एनर्जी शिखर सम्मेलन, स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए खनिजों की बढ़ती मांग को पूरा करने में चुनौतियों और अवसरों को संबोधित करने पर केंद्रित था।

- IEA की क्रिटिकल मिनरल्स मार्केट समीक्षा 2023 में वृद्धि देखी गई, जो 2022 में $320 बिलियन तक पहुंच गई।
- पेरिस के शिखर सम्मेलन में महत्वपूर्ण खनिजों की चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए 50 देशों के नेता एकत्रित हुए थे।
- **इस सम्मेलन में छह मुख्य कार्रवाइयों पर सहमति हुई:** आपूर्ति में विविधता लाना, प्रौद्योगिकी और रीसाइक्लिंग को अधिकतम करना, बाजार में पारदर्शिता को बढ़ावा देना, सूचना पहुंच में सुधार करना, सतत उत्पादन को प्रोत्साहित करना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना।
- वर्तमान में महत्वपूर्ण खनिजों की मांग में वृद्धि हुई है, उदाहरण के लिए, 2017 से 2022 तक लिथियम की मांग तीन गुना और कोबाल्ट की मांग में 70% की वृद्धि हुई है।
- 2050 तक नेट ज़ीरो परिदृश्य में, महत्वपूर्ण खनिज मांग 30 मिलियन टन तक पहुंच सकती है।
- पुनर्चक्रण और प्रौद्योगिकी भविष्य की आपूर्ति बाधाओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- नई तकनीक संसाधन दक्षता में सुधार करते हुए निष्कर्षण और प्रसंस्करण में ऊर्जा और पानी की जरूरतों को कम कर सकती है।
- मूल्य निर्धारण पारदर्शिता की कमी निवेश को प्रभावित करती है, यद्यपि IEA का लक्ष्य बाज़ार निगरानी को मजबूत करना है।
- फरवरी 2024 में IEA द्वारा आयोजित एक मंत्रिस्तरीय बैठक में ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक सहयोग का आकलन किया जाएगा।

महत्वपूर्ण ऊर्जा खनिज

- स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियाँ तांबा, लिथियम, निकल, कोबाल्ट और रेयर अर्थ तत्वों जैसे महत्वपूर्ण खनिजों पर निर्भर करती हैं, जो पवन टरबाइन, इलेक्ट्रिक वाहन और बिजली नेटवर्क सहित विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए आवश्यक हैं।
- स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं, जैसे कि सौर पीवी संयंत्र, पवन फार्म और इलेक्ट्रिक वाहनों को आमतौर पर पारंपरिक जीवाश्म ईंधन-आधारित समकक्षों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण खनिजों की आवश्यकता होती है।
- एक इलेक्ट्रिक कार को पारंपरिक कार की तुलना में छह गुना अधिक खनिज इनपुट की आवश्यकता होती है, और एक अपतटीय पवन संयंत्र को समान आकार के गैस-चालित संयंत्र की तुलना में 13 गुना अधिक खनिज की आवश्यकता होती है।
- नए निवेशों में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी के कारण 2010 के बाद से बिजली उत्पादन क्षमता के लिए आवश्यक खनिज संसाधनों की औसत मात्रा में 50% की वृद्धि हुई है।

- विभिन्न प्रौद्योगिकियों के लिए विशिष्ट खनिजों की आवश्यकता होती है, जैसे लिथियम, निकल, कोबाल्ट, मैंगनीज और ग्रेफाइट बैटरी के लिए महत्वपूर्ण हैं, जबकि रेयर अर्थ तत्व पवन टरबाइन और इलेक्ट्रिक वाहन मोटर्स के लिए आवश्यक हैं।
- 2017 से 2022 तक महत्वपूर्ण खनिजों की मांग में वृद्धि हुई है, लिथियम की मांग तीन गुना की वृद्धि, कोबाल्ट की मांग में 70% की वृद्धि और निकल की मांग में 40% की वृद्धि हुई है।
- लिथियम परियोजनाओं पर ध्यान देने के साथ-साथ महत्वपूर्ण खनिज विकास में निवेश 2021 में 20% और 2022 में 30% बढ़ गया।
- 2022 में अन्वेषण व्यय में 20% की वृद्धि हुई, जो मुख्य रूप से लिथियम अन्वेषण से प्रेरित है।
- महत्वपूर्ण खनिजों के शीर्ष उत्पादक देशों में चीन, ऑस्ट्रेलिया और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य शामिल हैं।

महत्वपूर्ण खनिज	संबद्ध अयस्क
ताँबा	चाल्कोपाइराइट, बोर्नाइट, चाल्कोसाइट, क्यूप्राइट
लिथियम	स्पोड्यूमिन, लेपिडोलाइट, पेटालाइट, एंबलीगोनाइट
निकल	पेंटलैंडाइट, गार्नियराइट, मिलराइट, लिमोनाइट
कोबाल्ट	कोबाल्टाइट, एरिथ्राइट, लिनैनाइट, स्मालटाइट
रेयर अर्थ तत्व	मोनाज़ाइट, बास्टनासाइट, ज़ेनोटाइम, लोपेराइट
ग्रेफाइट	प्राकृतिक ग्रेफाइट, अनाकार ग्रेफाइट
मैंगनीज	पायरोलुसाइट, रोडोक्रोसाइट, ब्रुनाइट
अल्युमीनियम	बाक्साइट
टंगस्टन	शीलाइट, वुल्फ्रामाइट
जस्ता	स्फालेराइट, स्मिथसोनाइट, हेमीमोर्फाइट
सीसा (लेड)	गैलेना, सेरुसाइट, एंगलसाइट
क्रोमियम	क्रोमाइट
वैनेडियम	वेनाडाइनाइट, कार्नोटाइट, मैग्नेटाइट
टाइटेनियम	इल्मेनाइट, रूटाइल
फॉस्फोरस (फॉस्फेट)	एपेटाइट, फॉस्फोराइट

आर 21/मैट्रिक्स-एम वैक्सीन

सन्दर्भ: विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बच्चों में मलेरिया की रोकथाम में इस्तेमाल के लिए आर 21/मैट्रिक्स-एम नामक एक नए टीके की सिफारिश की है।

- WHO बच्चों में मलेरिया की रोकथाम के लिए R21/मैट्रिक्स-एम वैक्सीन की सिफारिश करता है।
- यह सिफारिश डब्ल्यूएचओ के टीकाकरण पर विशेषज्ञों के रणनीतिक सलाहकार समूह (एसएजीई) और मलेरिया नीति सलाहकार समूह (एमपीएजी) की सलाह का पालन करती है।
- WHO ने डेंगू और मेनिनजाइटिस के लिए नए टीकों, COVID-19 टीकाकरण कार्यक्रम और पोलियो और IA2030 के लिए प्रमुख टीकाकरण कार्यक्रम संबंधी सिफारिशें भी जारी कीं।
- आर 21 वैक्सीन 2021 में अनुशंसित आरटीएस, एस/एएस01 वैक्सीन के बाद दूसरा डब्ल्यूएचओ-अनुशंसित मलेरिया वैक्सीन है।
- दोनों टीके बच्चों में मलेरिया को रोकने में सुरक्षित और प्रभावी हैं, जिनका अफ्रीका जैसे क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।
- मलेरिया के टीकों की मांग अधिक है, लेकिन आरटीएस, एस की आपूर्ति सीमित है।
- आर 21 को अनुशंसित सूची में जोड़ने से टीके की आपूर्ति में सुधार होने की उम्मीद है, जिससे मलेरिया-प्रवण क्षेत्रों में बच्चों को लाभ होगा।

R21 वैक्सीन की विशेषताएं

- **संचरण क्षेत्रों में उच्च मौसमी दक्षता**: मौसमी मलेरिया संचरण (प्रति वर्ष 4-5 महीने तक चलने वाले) वाले क्षेत्रों में, R21 वैक्सीन ने 3-खुराक श्रृंखला के बाद 12 महीनों में रोगसूचक मलेरिया के मामलों में 75% की कमी दर्ज की, अतिरिक्त चौथी खुराक भी अपनी प्रभावकारिता बनाए रखती है। यह प्रभावकारिता आरटीएस,एस के मौसमी उपयोग के बराबर है।
- **आयु-आधारित अनुसूची में अच्छी प्रभावकारिता**: शुरुआती 3 खुराक के बाद 12 महीनों में टीके ने अच्छी प्रभावकारिता (66%) दिखाई, एक वर्ष बाद चौथी खुराक देने पर भी प्रभावकारिता बनी रही।
- **उच्च सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव**: गणितीय मॉडल निम्न-संचरण क्षेत्रों सहित विभिन्न मलेरिया संचरण सेटिंग्स में R21 वैक्सीन के लिए एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव का अनुमान लगाते हैं।
- **लागत प्रभावशीलता**: अन्य अनुशंसित मलेरिया हस्तक्षेपों और टीकों की तुलना में प्रति खुराक 2 अमेरिकी डॉलर से 4 अमेरिकी डॉलर की कीमत पर, आर 21 वैक्सीन लागत प्रभावी है।
- **आरटीएस, एस वैक्सीन से समानता**: हालांकि R21 और RTS, S टीकों की सीधे तुलना नहीं की गई है, ऐसा कोई सबूत नहीं है जो यह बताता हो कि एक दूसरे से बेहतर है। उनके बीच चयन में कार्यक्रम संबंधी कारकों, टीके की आपूर्ति और सामर्थ्य पर विचार किया जाना चाहिए।
- **सुरक्षा**: R21 वैक्सीन ने नैदानिक परीक्षणों में सुरक्षा निगरानी के साथ सुरक्षा का प्रदर्शन किया है।

मलेरिया

- मलेरिया प्लास्मोडियम परजीवियों के कारण होने वाली एक जानलेवा बीमारी है।
- यह मुख्य रूप से अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है।
- इसका संचरण मच्छर के काटने से होता है और इसे रोका जा सकता है तथा इसका उपचार किया जा सकता है।

Table of differences between the various types of parasites that cause malaria

Plasmodium type	Type that causes malaria	Endemic area	Febrile seizures period	Involvement and severity
Falciparum	tropical malaria	In all endemic areas	Irregular Crisis	Very serious It can cause death if not treated quickly and effectively.
Vivax	tertian malaria	South America and Asia	Every 2 days	Grave, but with a delayed onset.
malariae	quartan malaria	South America and Asia	Every 3 days	Moderate, less frequently.
Ovale	tertian malaria	Africa	Every 2 days	Moderate, less frequently.

- संक्रमित मादा एनोफ़ेलीज़ मच्छर मलेरिया परजीवी फैलाते हैं।
- परजीवी यकृत में वृद्धि करते हैं और फिर लाल रक्त कोशिकाओं (आरबीसी) पर हमला करते हैं, जिससे वे टूट जाती हैं।
- मनुष्यों में मलेरिया फैलाने वाली पांच परजीवी प्रजातियां हैं, जिनमें प्लास्मोडियम, फाल्सीपेरम और प्लास्मोडियम विवैक्स सबसे खतरनाक हैं।
- मलेरिया के लक्षणों में बुखार, फ्लू जैसी बीमारी, ठंड लगना, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और थकान शामिल हैं।
- ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन (जीएसके) द्वारा विकसित और 2015 में स्वीकृत आरटीएस, एस या मॉस्किरिक्स वैक्सीन, मलेरिया के खतरे को लगभग 40% तक कम करने में प्रभावी है।
- ऊपर उल्लेखित टीका सबसे घातक मलेरिया परजीवी प्रजाति, प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम को लक्षित करता है, और सुरक्षा के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली को आश्वस्त करता है।
- **रोग दबाव**:
  - **उच्च दबाव वाले देशों में मलेरिया से मौतें**: 2021 में 619,000, जो कि कोविड-19 महामारी के पहले वर्ष के दौरान 625,000 से कम है, लेकिन 2019 में महामारी-पूर्व स्तर 568,000 से अधिक है।
  - **मलेरिया के मामले**: 2021 में 247 मिलियन, 2020 में 245 मिलियन और 2019 में 232 मिलियन से अधिक।
  - **नियंत्रण उपकरण**: इसके लिए कीटनाशक-उपचारित बेडनेट (आईटीएन) और गर्भावस्था में आंतरिक निवारक उपचार (आईपीटीपी) उपयोग किए जाने वाले प्रमुख उपकरण थे।
  - **मलेरिया को समाप्त करने में बाधाएँ**: चुनौतियों में विशेष रूप से अफ्रीका में उत्परिवर्तित परजीवी, दवा प्रतिरोध और शहरी-अनुकूलित मच्छर शामिल हैं।
  - मलेरिया से निपटने के लिए तत्काल नए उपकरणों और धन की आवश्यकता है।

मलेरिया से निपटने की पहल

- **वैश्विक:**
  - WHO ने अपनी 'ई-2025 पहल' में 2025 तक मलेरिया उन्मूलन की क्षमता वाले 25 देशों की पहचान की है।
  - मलेरिया के लिए डब्ल्यूएचओ की वैश्विक तकनीकी रणनीति 2016-2030 का लक्ष्य 2015 के स्तर की तुलना में 2020 तक मलेरिया के मामलों और मृत्यु दर को कम से कम 40%, 2025 तक 75% और 2030 तक 90% कम करना है।
- **भारत-विशिष्ट:**
  - भारत ने 2015 में मलेरिया उन्मूलन के प्रयास शुरू किए, जो 2016 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय ढांचा (एनएफएमई) शुरू करने के बाद तेज हो गए।
  - एनएफएमई डब्ल्यूएचओ की 2016-2030 मलेरिया रणनीति के अनुरूप है।
  - मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (2017-22) जुलाई 2017 में मलेरिया स्थानिकता के आधार पर वर्ष-वार उन्मूलन लक्ष्यों के साथ शुरू की गई थी।
  - जुलाई 2019 में चार राज्यों (पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश) में हाई बर्डन टू हाई इम्पैक्ट (HBHI) पहल शुरू की गई।
  - उच्च दबाव वाले क्षेत्रों में लंबे समय तक चलने वाले कीटनाशक जाल (एलएलआईएन) के वितरण से इन राज्यों में मलेरिया स्थानिकता में कमी आई है।
  - भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने मलेरिया नियंत्रण पर काम करने वाले भागीदारों के समन्वय के लिए मलेरिया उन्मूलन अनुसंधान गठबंधन-भारत (एमईआरए-इंडिया) की स्थापना की।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

बदीस लिमाकुमी

बदीस लिमाकुमी (Badis Limaakumi) के बारे में:

- बदीस लिमाकुमी हाल ही में खोजी गई मछली की प्रजाति है जो नागालैंड में मलक नदी में पाई गई है।
- इसे स्थानीय रूप से विभिन्न नामों से जाना जाता है, जिनमें "टेपडांग," "अक्नगाशी ," "आओकनगात्सू (मोंगसेन)" और "सेम्पी" ("**Tepdang**," "**Akngashi** ," "**Aokngatsü (Mongsen)**" and "**Sempi**.") शामिल हैं।
- इसे एक मछलीघर या विभिन्न वातावरणों में रखे जाने पर, इस प्रजाति का रंग उल्लेखनीय रूप से बदल जाता है, और अपने प्राकृतिक आवास में यह काला दिखाई देता है।

शारीरिक विशेषताएं: बदीस लिमाकुमी का शरीर अपेक्षाकृत बड़ा और पतला है। इसके किनारों और पंखों के साथ-साथ क्लीथ्रम पर भी धब्बों का अभाव है और इसमें बड़ी संख्या में पार्श्व-रेखा शल्क (**lateral-line scales**) हैं।

बदीस (बैडिस) प्रजाति के बारे में:

जीनस: बैडिस प्रजाति छोटी मीठे पानी की मछली के जीनस से संबंधित है जिसे बैडिडे के नाम से जाना जाता है।

वितरण: ये गंगा, ब्रह्मपुत्र, महानदी और सिंधु नदी घाटियों में निवास करती हैं।

प्रजातियों की संख्या: इसकी लगभग 25 प्रजातियाँ मान्यता प्राप्त हैं, जिनमें से 15 भारत में पाई जाती हैं।

सम्मक्का-सरक्का (Sammakka-Sarakka)

हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री (नरेंद्र मोदी) ने घोषणा की है कि केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय जल्द ही मुलुगु (**Mulugu)** जिले, तेलंगाना में स्थापित किया जाएगा।

जनजातीय देवियों के नाम: इसका नाम जनजातीय देवियों सम्मक्का और सारक्का के नाम पर रखा गया है।

ऐतिहासिक महत्व:

सम्मक्का और सरक्का: इन आदिवासी देवियों, माता-पुत्री की जोड़ी ने 12वीं शताब्दी में काकतीय शासकों द्वारा सूखे की स्थिति के दौरान आदिवासी लोगों पर कर लगाने का विरोध करके इनके लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व:

सम्मक्का सरलम्मा जथारा: यह कार्यक्रम देश का सबसे बड़ा आदिवासी धार्मिक समागम है और तेलंगाना में द्विवार्षिक (हर दो साल में) मनाया जाता है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

4 October, 2023

कलक्कड़-मुंडनथुराई टाइगर रिजर्व

अवस्थिति: यह तमिलनाडु के तिरुनेलवेली और कन्याकुमारी जिलों में फैले दक्षिणी पश्चिमी घाट में स्थित है।
स्थापना: इसे 1988 में टाइगर रिजर्व के रूप में नामित किया गया था।
रिजर्व: इसमें तीन मुख्य अभयारण्य शामिल हैं: कलाकड़ अभयारण्य, मुंडनथुराई अभयारण्य और कन्याकुमारी अभयारण्य का एक हिस्सा।
अगस्त्य मलाई हिल रेंज: अभयारण्य का मुख्य क्षेत्र अगस्त्य मलाई हिल रेंज के भीतर स्थित है, जो दुनिया के 18 जैव विविधता हॉटस्पॉट में से एक है।
वनस्पति (Vegetation): इसमें अत्याधिक विविधता पाई जाती है, कंटीली झाड़ियों वाले जंगलों से लेकर हरे-भरे सदाबहार जंगलों तक। इस रिज़र्व में सवाना वुडलैंड्स, घास के मैदान के साथ चाय और कॉफी के बागान भी शामिल हैं।
पादप (Flora) : कुछ उल्लेखनीय पौधों की प्रजातियों में सरकेंड्रा, पैपीओपेडुलम ड्यूरी, होपिया परविफ्लोरा, होपिया यूटिलिस, कैलोफिलम एलाटम, कुलेनिया एक्सारिल्लाटा आदि शामिल हैं।
जीव-जंतु (Fauna): बाघ, तेंदुए, जंगली बिल्लियाँ, जंगली कुत्ते, स्लॉथ भालू, हाथी, गौर, हिरण प्रजातियाँ, लंगूर और मकाक जैसे प्राइमेट और बहुत कुछ यहाँ पाए जाते हैं।

हरित अमोनिया

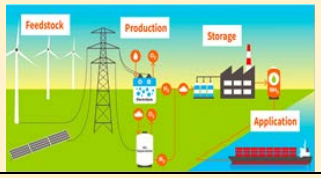

हरित अमोनिया (Green Ammonia) क्या है?

- हरित अमोनिया वह अमोनिया है जो 100% नवीकरणीय और कार्बन-मुक्त ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके उत्पादित किया जाता है।
- हाइड्रोजन (H) प्राप्त करने के लिए जल विद्युत अपघटन के माध्यम से और नाइट्रोजन (N) को हवा से अलग करके हरित अमोनिया का उत्पादन किया जाता है।
- इन घटकों का उपयोग अमोनिया (NH3) बनाने के लिए टिकाऊ बिजली द्वारा संचालित हैबर प्रक्रिया में किया जाता है।

अनुप्रयोग: इसका उपयोग लोकोमोटिव, जहाजों, बिजली उत्पादन और उर्वरक उत्पादन में ईंधन के रूप में किया जाता है।
अमोनिया के लक्षण: यह रंगहीन गैस, तीखी गंध, पानी में आसानी से घुलनशील और दबाव में स्पष्ट तरल बन सकती है।

अंतरिक्ष कचरा

हाल ही में, अमेरिकी सरकार ने पृथ्वी की कक्षा में अंतरिक्ष कचरा (स्पेस जंक) छोड़ने के लिए डिश कंपनी पर पहला जुर्माना लगाया है।
अंतरिक्ष कचरा क्या है?
अंतरिक्ष कचरे (अंतरिक्ष प्रदूषण) को अंतरिक्ष मलबे के रूप में भी जाना जाता है, इसमें पुराने उपग्रह और अंतरिक्ष यान के हिस्से शामिल हैं जो पृथ्वी की कक्षा में रहते हैं लेकिन अब परिचालन में नहीं हैं।
टकराव का जोखिम: अंतरिक्ष कचरे से पृथ्वी की कक्षा में परिचालन उपग्रहों के साथ टकराव का खतरा उत्पन्न होता है।
नियामक कार्रवाई: एफसीसी (संघीय संचार आयोग) ने नियामक कार्रवाई की क्योंकि डिश के उपग्रह ने अपनी वर्तमान ऊंचाई पर अन्य उपग्रहों के लिए संभावित खतरा उत्पन्नकिया था।
अंतरिक्ष कचरे के आँकड़े:
उपग्रह गणना: 1957 से अब तक 10,000 से अधिक उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किए जा चुके हैं, जिनमें से आधे से अधिक अब निष्क्रिय हो चुके हैं।
अंतरिक्ष कचरे की मात्रा: नासा (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) का अनुमान है कि अंतरिक्ष मलबे के 25,000 से अधिक टुकड़े हैं जिनकी लंबाई 10 सेमी से अधिक है।
सुरक्षा चिंताएँ: अंतरिक्ष कचरा गंभीर सुरक्षा चिंताएँ उत्पन्न करता है, जिसमें अंतरिक्ष यात्रियों और अंतरिक्ष यान के लिए जोखिम भी शामिल है, जिससे टकराव से बचने के लिए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को पुनर्स्थापित करने जैसे उपायों की आवश्यकता होती है।
आर्थिक दंड: डिश नेटवर्क पर संघीय संचार आयोग (एफसीसी) द्वारा 150,000 डॉलर (£125,000) का जुर्माना लगाया गया था।

समाचारों में स्थान

स्कारबोरो शोल

हाल ही में, दक्षिण चीन सागर में, एक "अज्ञात वाणिज्यिक जहाज" स्कारबोरो शोल (Scarborough Shoal) के पास एक फिलिपिनो मछली पकड़ने वाली नाव से टकरा गया।

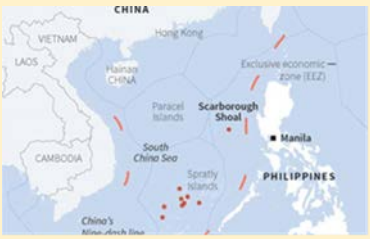

अवस्थिति: स्कारबोरो शोल, जिसे हुआंगयान द्वीप के नाम से भी जाना जाता है, दक्षिण चीन सागर में एक विवादित क्षेत्र है।
भौगोलिक निर्देशांक: लुज़ोन, फिलीपींस से लगभग 220 किलोमीटर दूर है।
विवादित क्षेत्र: यह फिलीपींस गणराज्य, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना और रिपब्लिक ऑफ चाइना (ताइवान) के मध्य विवादित क्षेत्र है।
ऐतिहासिक दावे:

- फिलीपींस ऐतिहासिक अभिलेखों के आधार पर संप्रभुता का दावा करता है, जिसमें 1734 का मानचित्र भी शामिल है।
- **मध्यस्थता मामला:** फिलीपींस ने 2013 में UNCLOS के तहत चीन के दावों के खिलाफ मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की थी।
- **मध्यस्थता न्यायाधिकरण निर्णय (2016):** चीन के ऐतिहासिक अधिकारों के दावे को खारिज करते हुए फिलीपींस के पक्ष में फैसला सुनाया।
- **मध्यस्थता के बाद के घटनाक्रम:** चीन ने मौखिक रूप से फिलिपिनो मछुआरों को प्रवेश की अनुमति दी, 2018 में दृश्यमान चट्टान क्षति की सूचना दी गई।

POINTS TO PONDER

- **अंतर्राष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फ़ेम के लिए नामांकित होने वाले पहले एशियाई व्यक्ति कौन हैं?** - लिएंडर पेस
- **कौन सा राज्य 'मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास न्याय योजना' से जुड़ा है?** - छत्तीसगढ़
- **बिहार की जातीय जनगणना के अनुसार बिहार में गैर-सामान्य वर्ग (non-General Category) के लोगों का प्रतिशत कितना है?** - 84.48%
- **किस संस्था ने ₹1000 करोड़ से अधिक जुटाने के लिए AAA रेटेड सामाजिक बांड जारी किए हैं?** - नाबार्ड
- **कौन सी संस्था सांख्यिकीय प्रदर्शन सूचकांक संकलित करती है?** - विश्व बैंक

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com